नागपूर महानगरपालिकेची स्थगित सर्वसाधारण सभा शुक्रवार दिनांक २१/०८/२०२० रोजी सकाळी ११.०० वाजता महानगरपालिकेच्या मुख्य कार्यालयातुन मागील विचाराधीन तथा नवीन विषयावर विचार करण्याकरिता महाराष्ट्र शासन नगर विकास विभाग यांचे पत्र क्र कोरोना/२०२०/प्र.क्र.७६/नवि (१४) दि.०३.०७.२०२० तसेच मनपा सचिवालय विभाग, मनपा कार्यालयाचे दि.०३.०७.२०२० सूचना/परिपत्रक अन्वये Vedio Conferencing व्दारे भरलेल्या स्थगित सर्वसाधारण सभेचे कार्यवृत्त.

उपस्थित सभासद

अनु. क्र.	प्रभाग क्र.	अ/ब	मा. सदस्यांचे नाव	पद
१.	**१६**	**ड**	**संदीप दिवाकर जोशी**	**महापौर**
२.	**२६**	**क**	**मनिषा सुनिल कोठे**	**उपमहापौर**
३.	१	अ	महेन्द्रप्रसाद रमेश धनविजय	सदस्य
४.	१	ड	विरेन्द्र उर्फ विक्की धनश्यामदास कुकरेजा	सदस्य
५.	२	ब	दिनेश बसंतलाल यादव	सदस्य
६.	३	अ	परसराम काशीनाथ मानवटकर	सदस्य
७.	४	क	मनिषा चक्रधर अतकरे	सदस्या
८.	४	ड	राजकुमार पुनाराम साहु	सदस्य
९.	५	क	अभिरुची अनिल राजगिरे	सदस्या
१०.	६	अ	जितेन्द्र भास्कर घोडेस्वार	सदस्य
११.	७	अ	विरंका मुरलीधर भिवगडे	सदस्या
१२.	७	ब	शेख मोहम्मद जमाल मोहम्मद इब्राहिम	सदस्य
१३.	७	ड	संदीप प्रल्हाद सहारे	सदस्य
१४.	८	ड	भुट्टो जुल्फेकार अहमद	सदस्य
१५.	९	ब	संजय श्यामराव बुर्रेवार	सदस्य
१६.	९	ड	नरेंद्र नत्थुजी वालदे	सदस््
१७.	१०	अ	साक्षी विपीन राऊत	सदस्या
१८.	१०	ड	गार्गी प्रशांत चोपरा	सदस्या
१९.	११	ब	संगिता दिपक गिऱ्हे	सदस्या
२०.	११	क	अर्चना विवेक पाठक	सदस्या
२१.	१२	क	हरीश मोहन ग्वालबंशी	सदस्य
२२.	१३	अ	अमर हरीश बागडे	सदस्य
२३.	१३	ड	वर्षा जयंत ठाकरे	सदस्या
२४.	१४	ब	प्रमोद ताराचंद कौरती	सदस्य
२५.	१४	क	कमलेश दिलीप चौधरी	सदस्य
२६.	१४	ड	प्रगती अजय पाटील	सदस्या
२७.	१५	अ	सुनिल दुलीचंद हिरणवार	सदस्य

अनु. क्र.	प्रभाग क्र.	अ/ब	मा. सदस्यांचे नाव	पद
२८.	१५	क	रुपा शेखर राय	सदस्या
२९.	१५	ड	संजय अनंत बंगाले	सदस्य
३०.	१७	ब	लता सुनिल काडगाये	सदस्या
३१.	१७	क	हर्षला मनोज उर्फ मोरेश्वर साबळे	सदस्या
३२.	१८	अ	प्रवीण प्रभाकर दटके	सदस्य
३३.	१८	ब	सुमेधा श्रीकांत देशपांडे	सदस्या
३४.	१९	अ	संजयकुमार कृष्णराव बालपांडे	सदस्य
३५.	१९	क	सरला कमलेश नायक	सदस्या
३६.	१९	ड	दयाशंकर चंद्रशेखर तिवारी	सदस्य
३७.	२०	ब	यशश्री देवराम नंदनवार	सदस्या
३८.	२०	क	रमेश गणपती पुणेकर	सदस्य
३९.	२२	अ	राजेश श्रावणजी घोडपागे	सदस्य
४०.	२२	क	श्रध्दा विजय पाठक	सदस्या
४१.	२३	अ	कांता राधेश्याम रारोकर	सदस्या
४२.	२३	ब	मनिषा आशिष धावडे	सदस्या
४३.	२३	क	नरेंद्र (बाल्या) गोविंद बोरकर	सदस्य
४४.	२४	अ	अनिल शौकीलाल गेंडरे	सदस्य
४५.	२४	क	चेतना राजू टांक	सदस्या
४६.	२४	ड	प्रदीप वसंतराव पोहाणे	सदस्य
४७.	२५	अ	जयश्री योगेश्वर रारोकर	सदस्य
४८.	२५	ड	दिपक मोतीरामजी वाडीभस्मे	सदस्य
४९.	२६	अ	धर्मपाल नत्थुजी मेश्राम	सदस्य
५०.	२६	ब	समिता राजेन्द्र चकोले	सदस्या
५१.	२७	अ	तानाजी सुकलाजी वनवे	सदस्य
५२.	२७	ब	दिव्या दिपक धुरडे	सदस्या
५३.	२७	ड	हरीश सिताराम दिकोंडवार	सदस्य
५४.	२८	अ	किशोर रतनलाल कुमेरिया	सदस्य
५५.	२८	ड	विजय शंकरराव झलके	सदस्य
५६.	२९	ब	विद्या योगेश मडावी	सदस्या
५७.	२९	क	भगवान भाऊराव मेंढे	सदस्य
५८.	२९	ड	स्वाती चंद्रकांत आखतकर	सदस्या
५९.	३०	अ	नागेश गोविंदराव सहारे	सदस्या
६०.	३१	अ	उषा टॉबी पॅलट	सदस्या
६१.	३१	ब	सतिश विठ्ठलराव होले	सदस्य
६२.	३२	अ	अभय प्रल्हाद गोटेकर	सदस्य
६३.	३२	ब	कल्पना राम कुंभलकर	सदस्या
६४.	३२	क	रुपाली प्रशांतसिंह ठाकूर	सदस्या

अनु. क्र.	प्रभाग क्र.	अ/ब	मा. सदस्यांचे नाव	पद
६५.	३३	ड	मनोजकुमार धोंडुजी गावंडे	सदस्य
६६.	३४	अ	नागेश महादेव मानकर	सदस्य
६७.	३४	ड	मंगला शशांक खेकरे	सदस्या
६८.	३५	अ	संदीप रमेश गवई	सदस्य
६९.	३५	ब	जयश्री मोहन वाडीभस्मे	सदस्या
७०.	३५	ड	अविनाश निलकंठ ठाकरे	सदस्य
७१.	३६	ब	पल्लवी अशोक श्यामकुळे	सदस्या
७२.	३६	ड	प्रकाश सिताराम भोयर	सदस्य
७३.	३७	अ	प्रमोद हरिभाऊ तभाने	सदस्य
७४.	३७	ब	सोनाली शालीक कडू	सदस्या
७५.	३७	क	नंदा शरद जिचकार	सदस्या
७६.	३७	ड	दिलीप वामनराव दिवे	सदस्य
७७.	३८	ब	प्रफुल्ल विनोंदराव गुडधे	सदस्य
७८.	३८	क	प्रणिता चंद्रप्रकाश शहाणे	सदस्या
७९.	ना.स.		सुनिल जिवराज अग्रवाल	सदस्य
८०.	ना.स.		गणेश उर्फ (मुन्ना) रामन्ना पोकुलवार	सदस्य
८१.	ना.स.		निशांत गिरीश गांधी	सदस्य
८२.	ना.स.		किशोर दामोदर जिचकार	सदस्य
८३.	१२	अ	दर्शनी स्वानंद धवड	सदस्या
८४.	१७	ड	प्रमोद छत्रपाल चिखले	सदस्य
८५.	३६	अ	मिनाक्षी नितीन तेलगोटे	सदस्या

अनुपस्थित सभासद

अनु. क्र.	प्रभाग क्र.	अ/ब	मा. सदस्यांचे नाव	पद
१.	१	ब	सुषमा संजय चौधरी	सदस्या
२.	१	क	प्रमिला प्रितम मथरानी	सदस्या
३.	२	अ	भावना संतोष लोणारे	सदस्या
४.	२	क	नेहा राकेश निकोसे	सदस्या
५.	२	ड	मनोज दशरथ सांगोळे	सदस्य
६.	३	ब	गोपीचंद कृष्णराव कुमरे	सदस्य
७.	३	क	भाग्यश्री गणेश कानतोडे	सदस्या
८.	३	ड	खान नसीम बानो मो. इब्राहिम	सदस्या
९.	४	अ	निरंजना महेश पाटील	सदस्या
१०.	४	ब	शेषराव शंकरराव गोतमारे	सदस्य
११.	५	ड	संजय अरुणराव चावरे	सदस्य

अनु. क्र.	प्रभाग क्र.	अ/ब	मा. सदस्यांचे नाव	पद
१२.	६	ब	वंदना राजू चांदेकर	सदस्या
१३.	६	क	वैशाली अविनाश नारनवरे	सदस्या
१४.	६	ड	मो. इब्राहिम तॉफीक अहमद	सदस्य
१५.	७	क	मंगला योगीराज लांजेवार	सदस्या
१६.	८	अ	आशा नेहरु उईके (आयेशा)	सदस्या
१७.	८	ब	अंसारी सय्यदा बेगम मो. निजामुद्दीन	सदस्या
१८.	८	क	जिशानमुमताज मो. इरफान अंसारी	सदस्या
१९.	९	अ	स्नेहा विवेक निकोसे	सदस्या
२०.	९	क	ममता महेश सहारे	सदस्या
२१.	१०	ब	रश्मि निलमनी धुर्वे	सदस्या
२२.	१०	क	नितिश गंगाप्रसाद ग्वालबंशी	सदस्य
२३.	११	अ	संदीप चंद्रभान जाधव	सदस्य
२४.	१२	ब	माया चिंतामन इवनाते	सदस्या
२५.	१२	ड	विक्रम जगदीश ग्वालबंशी	सदस्य
२६.	१४	अ	शिल्पा इशांत धोटे	सदस्या
२७.	१५	ब	उज्वला प्रकाश शर्मा	सदस्या
२८.	१६	अ	लखन सुमेरा येरवार	सदस्य
२९.	१६	ब	वनिता सुनिल दांडेकर	सदस्या
३०.	१६	क	तारा (लक्ष्मी) ओमप्रकाश यादव	सदस्या
३१.	१७	अ	विजय गोपालराव चुटेले	सदस्य
३२.	१८	क	नेहा नरेन्द्र वाघमारे	सदस्या
३३.	१८	ड	ऋषिकेश (बंटी) नारायण शेळके	सदस्य
३४.	१९	ब	विद्या राजेश कन्हेरे	सदस्या
३५.	२०	ड	दिपराज भैय्याजी पार्डीकर	सदस्य
३६.	२१	ब	नितीन रामभाऊ साठवणे	सदस्य
३७.	२१	क	आभा विजयकुमार पांडे	सदस्या
३८.	२१	ड	महेश केशवराव महाजन	सदस्य
३९.	२२	ब	वंदना वसंतराव यंगटवार	सदस्या
४०.	२२	ड	मनोज केशवराव चापले	सदस्य
४१.	२३	ड	दुनेश्वर सूर्यभान पेठे	सदस्य
४२.	२४	ब	सरिता ईश्वर कावरे	सदस्या
४३.	२५	ब	पुरुषोत्तम नागोराव हजारे	सदस्य
४४.	२५	क	वैशाली देवचंद रोहणकर	सदस्या
४५.	२६	ड	जितेंद्र धनराज कुकडे	सदस्या
४६.	२७	क	वंदना राजेश भुरे	सदस्या
४७.	२८	ब	मंगलाबाई प्रशांत गवरे	सदस्या
४८.	२८	क	रेखा राजू साकोरे	सदस्या

अनु. क्र.	प्रभाग क्र.	अ/ब	मा. सदस्यांचे नाव	पद
४९.	२९	अ	लिला अजय हाथीबेड	सदस्य
५०.	३०	ब	रिता अशोक मुळे	सदस्या
५१.	३०	क	स्नेहल सतीश बिहारे	सदस्या
५२.	३०	ड	संजय मधुकर महाकाळकर	सदस्य
५३.	३१	क	शीतल प्रशांत कामडे	सदस्या
५४.	३१	ड	रविंद्र प्रभाकर भोयर	सदस्य
५५.	३२	ड	दिपक मारोतराव चौधरी	सदस्य
५६.	३३	अ	वंदना भानुदास भगत	सदस्या
५७.	३३	ब	भारती विकास बुंडे	सदस्या
५८.	३३	क	विशाखा शरद बान्ते	सदस्या
५९.	३४	ब	राजेन्द्र विठ्ठलराव सोनकुसरे	सदस्य
६०.	३४	क	माधुरी प्रवीण ठाकरे	सदस्या
६१.	३५	क	विशाखा प्रकाश मोहोड	सदस्या
६२.	३६	क	लहुकुमार दत्तुजी बेहते	सदस्य
६३.	३८	अ	उज्जवला वसंतराव बनकर	सदस्या
६४.	ना.स.		किशोर रामकृष्ण वानखेडे	सदस्य
६५.	५	अ	दुर्गा चंद्रभुषण हत्तीठेले	सदस्या
६६.	५	ब	प्रवीण विलासराव भिसीकर	सदस्य
६७.	११	ड	भूषण कृष्णराव शिंगणे	सदस्य
६८.	१३	ब	रुतिका योगेश मसराम	सदस्या
६९.	१३	क	परिणिता परिणय फुके	सदस्या
७०.	२०	अ	शंकुतला वामन पारवे	सदस्या
७१.	२१	अ	ज्योती श्रीधर भिसीकर	सदस्या

उपस्थित अधिकारी

श्री.तुकाराम मुंढे — **निगम आयुक्त**
श्री.सुभाष जयदेव — **निगम सचिव (प्र)/ उपायुक्त**

मा. महापौर यांनी सभेची कार्यवाही सुरु केली.

महापौर :- काल स्थगण प्रस्तावावर चर्चा सुरु केली होती. सन्माननीय सदस्य श्री.दयाशंकर तिवारी यांना विनंती करतो त्यांनी पुन्हा आपल्या स्थगण प्रस्तावावर चर्चा सुरु करावी.

श्री. दयाशंकर तिवारी :- मा.महापौरजी मै विशेष रुप से आपका अभिनंदन करना चॉहता हु की आपने हिम्मत नही हारी और इस विपरीत परिस्थिती मे भी आज आपने दुबारा सभा लेने की हिम्मत की नागपूर- जुलाई महिने की शुरुवात से जिस प्रकार से कोरोना पॉझीटीव्ह पेशंट की संख्या मे वृध्दी हो रही है, और वह रुकने का नाम नही ले रही है, यह स्थिती एकदम भयानक है। महानगरपालिका का सारा व्यवस्थापन इसे संभालने मे नाकारा साबित हो रहा है, दुख के साथ कहना पडता है कि पेशंट की संख्या बढने के साथ साथ व्यवस्था भी बढनी आवश्यक थी, परंतु इस व्यवस्था को खडे करने मे महानगरपालिका कमजोर पड रही है, एवं चारो तरफ अव्यवस्था का आलम दिखाई दे रहा है। जितनी आक्रमकता से कोविड का प्रादुर्भाव बढ रहा है उतनी आक्रमकता से म.न.पा. उसे रोकने के लिये कारगार कदम उठाते हुऐ नही दिख रही है, जब एक दिन मे ५० से लेकर के १०० पेशंट निकलते थे उस समय जो व्यवस्था थी, वही उतनी ही व्यवस्था १००० पेशंट प्रतिदिन निकलने के बाद म.न.पा. प्रशासन की है, और म.न.पा. प्रशासन वाहवाही लुट रहा है, कोविड केअर सेंटर की जिस प्रमाण मे व्यवस्था होनी चाहिये थी, मरीज को भरती करने के संसाधनो मे वृध्दी होनी चाहिये थी वह कही भी दिखाई नही देती, जिन केंद्रो को हमने कोरंटाईन सेंटर बनाया था क्रमश्: २६ जून के बाद हमने उन्हे कोविड केअर सेंटर मे परावर्तित कर दिया है, मरीजो की संख्या बढने के बाद कोविड केअर सेंटर मे बेड व स्वास्थ्य कर्मचारी की, डॉक्टरो की, परीचारिकाओ की, कोविड केअर सेंटर मे कार्यरत अन्य सुविधाओ मे वृध्दी होनी चाहिये थी जो नही हुई, इस कारण पाझीटीव्ह पेशंट दर दर भटक रहे है, एवं पेशंट को भरती करने के लिये जगह उपलब्ध नही है। आज ५ हजार से ज्यादा पेशंट होम कोरंटाईन की स्थिती मे है, होम कोरंटाईन मे किसे रखा जाये इसकी गाईडलाईन होने के बावजुद म.न.पा. उसका पालन नही कर रही है। पेशंट के पाझीटीव्ह होने के बाद उसका स्क्रिनींग करना नितांत आवश्यक है, अर्थात् उसके ऑक्सिजन लेव्हल को चेक करना यह अनिवार्य है परंतु म.न.पा. के सेंटर मे इस प्रकार के निर्देशो का कही पालन होता नही दिखाई दे रहा है। जिन्हे सर्दी, खॉंसी, बुखार है ऐसे symptamatic पेशंट भी होम कोरंटाईन किये जा रहे है, symptom होने के बावजुद होम कोरंटाईन के स्थिती मे जब तबीयत बिगडती है और ऑक्सिजन का सेच्युरेशन कम होता है ऐसी अवस्था मे पेशंट को समय पर सुविधा न उपलब्ध होने के कारण भरती होने के लिये दर दर की ठोकर खाने के कारण उसकी हालत बिगडती है और इस कारण शहर मे मृत्यु दर बढ रही है। पेशंट को घर से अस्पताल ले जाने के लिये म.न.पा. व्दारा उपलब्ध एम्बुलेंस मे ऑक्सिजन की व्यवस्था नही है, म.न.पा. कोविड केअर सेंटर मे ऑक्सिजन की व्यवस्था नही है, कोविड का सबसे बडा इलाज यह ऑक्सिजन की पुर्ती है, और कोविड मे मृत्यु का कारण यह ऑक्सिजन मे कमी ही है, महानगरपालिका इस क्षेत्र मे ऑक्सिजन उपलब्ध कराने मे अक्षम व अर्कमण्य साबित हो रही है, जो कि मृत्यु दर बढने का मुख्य कारण है। म.न.पा. के सभी जांच केंद्रो पर जांच करने वाली टीम के अलावा कौन्सिलींग करने के लिये डॉक्टर की नितांत आवश्यकता है, जो पॉझीटीव्ह पेशंट को स्क्रिनींग कर सके, जिन्हे होम कोरंटाईन किया जा रहा है उन्हे होम कोरंटाईन के समय क्या सुरक्षा के

उपाय करना है और अपना व्यवहार कैसे रखना है इसकी सूचना दे सके परंतु पॉझीटीव्ह निकलने के बावजुद ४-४, ५-५ दिन तक पॉझीटीव्ह पेशंट तक महानगरपालिका की स्वास्थ्य सेवा उपलब्ध नही हो पाती अर्थात् पॉझीटीव्ह होने की मानसिकता से ग्रस्त व्यक्ती जब उसके पास डॉक्टर या इलाज नही पहोंचता तो ऐसी मानसिक परेशानी मे वह अपनी तबीयत बिगाडते चला जाता है । म.न.पा. ने पॉझीटीव्ह पेशंट के लिये तुरंत डॉक्टर उपलब्ध करना चाहिये IMA के साथ मिलकर उनके डॉक्टर का सहयोग लेना चाहिये कुछ डॉक्टर IMA के माध्यम से video calling करके पॉझीटीव्ह पेशंट से चर्चा कर सकते है, उनका उपचार कर सकते है यह व्यवस्था म.न.पा. ने अपने संसाधनो से उपलब्ध करवा देनी चाहिये I आज भी शालीनीताई मेघे अस्पताल मे बडे प्रमाण मे बेड खाली पडे है, परंतु म.न.पा. मे व्यवस्थापन की त्रुटी होने के कारण शहर के पेशंट दर दर भटक रहे है, GMC और IGMC मे कर्मचारीयो की कमी होने के कारण १२०० बेड मे से हम केवल ८०० बेड का उपयोग कर पा रहे है अभी भी ४०० बेड कर्मचारीयो की कमी के कारण रिक्त पडे है I महाराष्ट्र सरकार से तुरंत कर्मचारी उपलब्ध कराके पुरी क्षमता के साथ यह यह दोनो सरकारी दवाखाने कार्य कर सकते है इस दृष्टीसे कदम उठाना चाहिये I मरीजो की सुविधा के लिये प्रायव्हेट अस्पताल को कोविड अस्पताल मे परिवर्तित किया गया है, जो नागरिको की सुविधा की दृष्टी से किया गया था परंतु म.न.पा. का व्यवस्थापन प्रायव्हेट दवाखानो पर अंकुश करने मे अक्षम साबित हो रहा है, प्रायव्हेट दवाखाने अपनी मनमानी करके मनमानी ढंगसे लोगो से धन उगाही कर रहे है I महानगरपालिका ने ०४ जुन २०२० को एक परिपत्रक निकालकर सारे प्रायव्हेट दवाखानो को निर्देश दिये थे कि, महाराष्ट्र सरकार व्दारा जारी इस परिपत्रक के अनुरुप कोविड के पेशंट को किस दर मे सुविधा देनी चाहिये यह बात उसमे उल्लेखीत है, सामान्य वार्ड मे ४ हजार रुपये प्रतिदिन, आय.सी.यु. मे साडे सात हजार रुपये प्रतिदिन एवं आय.सी.यु.व्हेंटीलेटर के साथ ९ हजार रुपये प्रतिदिन उसमे होने वाली जांच नर्सिंग चार्ज, बेड चार्ज मेडिसीन चार्ज, ब्लड रिपोर्ट, सीबीसी, युरीन रिपोर्ट, एलएफटी, केएफटी यह सारी जांच उस दर मे समाविष्ट है I परंतु प्रायव्हेट अस्पताल इस परिपत्रक के विपरीत अनापशनाप बील बना रहे है, इस परिपत्रक मे प्रायव्हेट अस्पताल कितनी बातो के लिये अलग से पैसे ले सकते है इस बात का उल्लेख है, उन्हे किन परिस्थिती मे सशुल्क सुविधा देना है इसका उल्लेख दिया गया है I मनुष्य की ऑक्सिजन की मात्रा जांच करने की दृष्टीसे और इंन्फेक्शन की जांच करने की दृष्टी से Interukein Rise Test कराई जाती है इस जांच मे जिसमे Interukein Rise की मात्रा ७ से अधिक पाई गयी उसे एक इंजेक्शन दिया जाता है जो प्रायव्हेट अस्पताल सशुल्क देते है, अर्थात् उन्हे इसके अधिकार भी है, उस इंजेक्शन का नाम Tocilizumab है जिसकी किंमत ३२ हजार रुपये है ऐसे दो इंजेक्शन दो इंजेक्शन दे करके मरीज की जान बचाई जा सकती है लैकिन Interukein Rise का प्रमाण ५० से ज्यादा हो जाये तो उसकी उपयोगीता कारगार साबीत नही होती, पेशंट मे इस द्रव्य की मात्रा २०० से ज्यादा होने के बावजुद भी प्रायव्हेट दवाखाने यह इंजेक्शन देने को बाध्य करते है, जिसमे दो इंजेक्शन मे ६४ हजार रुपयो की राशी लग जाती है I आज प्रायव्हेट अस्पताल मे यह

व्यवसाय चालु है और महानगरपालिका की इस विषय को लेकर के कोई गाईड लाईन नही है यह जो टेस्ट Interukein Rise Test के लिये मरीज से तीन हजार रुपये एक टेस्ट के लिये वसुल किये जाते है जबकी बाजार मे यह टेस्ट ५०० से ८०० रुपयो मे उपलब्ध है, महानगरपालिका ने इस टेस्ट के लिये नामांकित पॅथालॉजी लॅबाटरी से कोटेशन बुलाकर उसके रेट फिक्स कर देने चाहिये, कारण ५०० रुपयो के टेस्ट के ३ हजार रुपये वसुल किये जा रहे है यह छः गुना वसुली है, इसपर अंकुश लगाना चाहिये। उसी प्रकार से एक अन्य टेस्ट जिसे डी-डायमर टेस्ट कहते है यह टेस्ट भी पॅथालॉजी लेबाटरी मे ३०० से ४०० रुपयो मे उपलब्ध है परंतु प्रायव्हेट अस्पताल मे इस टेस्ट के भी १५०० रुपये वसुल किये जा रहे है और यह भी पांच गुना लुट है, म.न.पा. प्रशासन ने इस टेस्ट के लिये कोटेशन बुलाकर इसके दर फिक्स कर देने चाहिये जिससे मरीजो की लुट रुक सके, यह दोनो टेस्ट एक से ज्यादा बार किये जाते है कारण पेशट मे सुधार किस प्रमाण मे हो रहा है यह जांचने के लिये यह दोनो टेस्ट नितांत आवश्यक है, इस कारण यह दोनो टेस्ट के दर कोटेशन बुलाकर निश्चित करना चाहिये, जिससे कि आम नागरिको का शोषण रुक सके। एक प्रायव्हेट दवाखाने का सर्वाधिक खर्च ९ हजार रुपये प्रतिदिन बताया गया है और दुसरी ओर प्रायव्हेट दवाखाने अडव्हांस मे दो लाख रुपये जमा किये बगैर पेशंट को भरती नही करते, अगर पेशंट ४-५ दिन मे डिस्चार्ज हो जाये तो भी दवाखानो का बील ३,४,५ लाख तक बन जाता है, कारण कोरोना पेंशट की जांच के लिये उसके आवश्यक इलाज के लिये जो गाईड लाईन होनी चाहिये वह गाईड लाईन म.न.पा. ने तैयार नही की है और म.न.पा. के पास ऐसी सक्षम टीम नही है जो गाईड लाईन तैयार कर सके इसलिये IMA को साथ मे लेकर यह गाईड लाईन का निर्माण करना नितांत आवश्यक है

श्री.कमलेश चौधरी :- मा.महापौरजी, स्थगण प्रस्ताव पर बोलेने के लिये आपने सभी पक्ष को बोलने के लिये समय दिया है क्या ? की कोई भी सदस्य कितना भी देर बोल सकता है, ऐसा है तो हमको भी बताये हम भी बोलने के लिये बैठे है ? की त्यांनाच वेळ दिली आहे काय बोलण्याची.

श्री.प्रविण दटके :- मा.महापौरजी, गटनेत्यांनी नाव दिले पाहिजे श्री.कमलेशजी चौधरी गट नेते नाही आहे.

महापौर :- स्थगन प्रस्ताव मा.सदस्य श्री.दयाशंकर तिवारी यांना मांडला आहे त्यांना बोलु दयावे.

श्री.दयाशंकर तिवारी :- पॉइंट ऑफ ऑर्डर मा.महापौरजी, कोणत्याही पक्षाला वेळ देण्याची सुचना महापौरजी तेव्हाच करते जेव्हा स्थगन प्रस्ताव ठेवणा-या माणसाचे भाष्य समाप्त होते. त्याच्या पुर्वी कधीही स्थगण प्रस्तावावर वेळ देण्याची परंपरा नाही.

महापौर :- सन्माननिय सदस्य श्री.दयाशंकर तिवारी यांनी स्थगण प्रस्तावावर चर्चा करावी.

श्री.दयाशंकर तिवारी :- मा.महापौरजी, मृत्यु दर को रोकने के लिये म.न.पा. कोरोना टेस्ट सेंटर के साथ साथ एक्सरे की भी व्यवस्था होनी चाहिये, जो कही भी दिखाई नही देती, ध्यान मे तो यह भी आता है कि, हमारे महल रोगनिदान केंद्र के एक्सरे सेंटर के एक्सरे टॅक्नीशियन को वहां से हटाकर कोविड केअर कंट्रोल रुम् के कॉल सेंटर का प्रभार दिया गया है जो काम एक सामान्य क्लर्क कर सकता है, क्लास-४ कर्मचारी कर सकता है उस जगह एक्सरे टॅक्नीशियन को बैठाकर हमने

एक्सरे की मशीन बंद करवादी जबकी कोविड स्क्रिनींग मे चेस्ट एक्सरे नितांत आवश्यक है। महानगरपालिका ने सीबीसी टेस्ट की भी व्यवस्था करनी चाहिये और अगर हमे सचमे मृत्युदर कम करना है तो चेस्ट का एक्सरे एचआरसीटी, सीबीसी यह संसाधन उपलब्ध करना नितांत आवश्यक है, जिससे मृत्यु दर कम हो सकती है। प्रायव्हेट अस्पताल मे पेंशट की सुविधा की दृष्टी से शासन निर्धारीत नियमो का पालन किया जा रहा है या नही , उस अस्पताल मे बेड की संख्या, बेड का कोविड के नियमानुरुप वार्ड मे वितरण एवं उपलब्ध बेड के अनुपात मे क्वॉलिफाईड डॉक्टर्स, नर्सिंग स्टॉफ, टॅक्नीशियन, क्लॉस-४ कर्मचारीयो की व्यवस्था है या नही यह देखना भी म.न.पा. की जबाबदारी है, परंतु यहा भी कोताहि बरती जा रही है, प्रायव्हेट अस्पताल मे कुछ बाते सशुल्क है और उसके दिशानिर्देश भी है। सशुल्क वस्तु मे से अगर कोई वस्तु सभी पेशंट के लिये उपयोग की जा रही है और उसका उपयोगी से ज्यादा पेशंट के लिये किया जा रहा है तो जितने पेशंट की संख्या है उस खर्च को उतने से विभाजित किया जाये, उदाहरण के लिये अगर अस्पताल मे अगर ३० पेशंट है और डॉक्टर पीपीई कीट पहनकर ३० पेशंट की जांच एक समय मे कर रहा है तो एक कीट की राशी को ३० भागो मे बांटकर बील मे लगाया जाये परंतु ठिक उसके विपरीत प्रत्येक पेशंट से पीपीई कीट की पुरी राशी वसुल की जा रही है, एक पीपीई कीट पहनकर ३० पेशंट दिखाई गये तो ३० पीपीई कीट के पैसे वसुल किये जा रहे है अर्थात् एक दिन मे तीन पीपीई कीट के पैसे वसुलने चाहिये तो वह ९० पीपीई कीट के पैसे वसुल रहे है, और म.न.पा. प्रशासन इन सारी बातो पर मौन है। प्रायव्हेट अस्पताल मे अगर सिरीअस पेशंट जाता है तो उसे भरती नही कर रहे है, यह शिकायत मिल रही है, इस बात पर भी म.न.पा. प्रशासन मौन है। प्रायव्हेट अस्पताल मे अगर इंशोरेंट पॉलिसी लेकर के पेशंट जाता है तो उसे भी नकारात्मक जवाब मिलता है, और कॅश पेंमेट वालो को प्राथमिकता दी जाती है, इस बात पर भी म.न.पा. प्रशासन मौन है, इतना ही नही प्रायव्हेट अस्पताल मे व्हेंटीलेटर पर पेशंट सिरीअस होने के बाद उनपर दबाव बनाया जाता है की, उस पेंशट को जीएमसी या आयजीएमसी मे ले जाया जाये यह शिकायत मिलने के बावजुद महानगरपालिका प्रशासन मौन है। सीवनी के एक मरीज श्री रमेश अवधवाल जो अपना इलाज कराने नागपूर आये थे, ७२ वर्ष आयु के यह सज्जन व्हेंटीलेटर पर थे, प्रायव्हेट अस्पताल ने उनपर दबाव डालकर उन्हे गर्व्हमेंट अस्पताल मे भेजा, १५ अगस्त का दिन था पेशंट ने वहां जाने के बाद १२ घंटे मे अपने प्राण त्याग दिये, उनके मौत का जिम्मेदार किसको तय करेगें। कल की ही घटना है, शहर के एक प्रतिष्ठीत दवाखाने मे एक पेशंट व्हेंटीलेटर पर पडा है और वह उसे वहां से भगाने की कोशिश कर रहे है, म.न.पा. प्रशासन के सभी अधिकारीयो की इस बात की जानकारी है, लैकिन म.न.पा. प्रशासन मौन है, ऍपेडेमिक डीसीस ॲक्ट १८९७ मे जब सारे अधिकारी आयुक्त् के पास है तो प्रशासन मौन क्यों है, गर्व्हमेंट मेडिकल कॉलेज से हमारी दो बहने जो मिशनरी के लिये काम करती है, वह कोविड पॉझीटीव्ह थी, उन्हे वहां से व्होकॉर्ड अस्पताल मे भरती किया गया, ॲडव्हांस दो लाख रुपये डिपॉझीट किये गये और उन्हे अस्पताल पहुचाने के लिये न जी.एम.सी ने ॲम्ब्युलेंस दी और न ही व्होकॉर्ड ने तीसरी संस्था के ॲम्ब्युलेंस से उन दो बहनो को व्होकॉर्ड अस्पताल पहुचाया गया आप कल्पना किजीये की, गर्व्हमेंट मेडिकल कॉलेज से व्होकॉर्ड अस्पताल तक छोडने के लिये ॲम्ब्युलेंस ने ७ हजार रुपयों का चार्ज वसुल किया, म.न.पा. प्रशासन इस पर भी मौन है। अरे भई इतने रुपयो में तो आम नागरिक हवाई जहाज से आना जाना कर सकता है। कल आयुक्त महोदयने कुछ प्रायव्हेट दवाखानो को कोविड अस्पताल के रुप मे घोषित किया है, उन अस्पताल मे बेड की संख्या बढने से नागरिको को दिलासा

तो मिलेगा परंतु जिस प्रकार का कारोबार अभी चल रहा है उसपर अंकुश लगाना नितांत आवश्यक है। प्रायव्हेट अस्पताल की जांच का निरीक्षण करने के लिये एक त्रिपक्षीय समिती का निर्माण होना चाहिये और शासन के निर्देश के अनुरुप वह कार्य करे, लैकिन इस संकट की स्थिती मे प्रायव्हेट अस्पताल यह काम नही कर रहे है, और आयुक्त को अधिकार होने के बावजुद भी वह कार्यवाही नही कर रहे है तो इस बात की जिम्मेदारी किस पर तय की जाये, यह यक्ष प्रश्न है। वर्तमान स्थिती मे महानगरपालिका के साथ सामाजिक संस्थाऐ कोविड केअर सेंटर चलाने को तैयार है उन्हे तुरंत अनुमती देकर वैद्यकीय कर्मचारी उपलब्ध करवाना चाहिये जिससे व्यवस्था भी बढेगी और सामाजिक संस्थाओ का सहयोग भी खर्च को कम करने मे सहायक सिध्द होंगा। देढ माह से एक संस्था का एक निवेदन पडा है पर म.न.पा. प्रशासन मौन है, बडे कोव्हीड केअर सेंटर ५ हजार बेड के खोलने की अपेक्षा बडे मंगल कार्यालयो मे, शादी घर मे, समाज भवन मे शहर के एन.जी.ओ को साथ मे लेकर अगर हम व्यवस्था खडी करे और प्राथमिकता के साथ कोरोना पॉझीटीव्ह पेशंट की देखभाल हो सकती है। अगर शुरुवात से ही पेशंट मे ऑक्सिजन का सेच्युरेशन ठिक स्थिती मे रहता हो तो उसकी देखभाल करने से पेशंट सुधरता है। और इस अवस्था मे अगर अनदेखी हो गयी और इंन्फेक्शन fibrosis बढ गयी तो इंफेक्शन कभी भी रिव्हर्स नही आता जब यह वैद्यकीय दृष्टी से प्रमाणित बात है तो प्रशासन प्राथमिक स्तर मे पेशंट की अनदेखी क्यो कर रहा है, एन.जी.ओ. को साथ ले, डॉक्टर्स को साथ ले, आय.ए.एम. को साथ ले और Video Conference के माध्यम से पेशंट की कौन्सिलींग करे। औरंगाबाद महानगरपालिका ने डॉक्टर की टीम बनाई है तो मात्र १० हजार रुपयो मे होम कोरंटाईन पेंशट के घर जाकर दिन मे दो बार चेक कर रहे है साथ ही साथ लगनेवाली औषधी की व्यवस्था भी उस राशी मे कर रहे है, क्या ऐसी व्यवस्था महानगरपालिका नही कर सकती। मुझे दुख है यह सारी बाते मुझे प्रेस मे कहना पड रही है और इसका कारण केवल और केवल म.न.पा. आयुक्त है कारण इन सारी सूचनाओ पर प्रशासन को सूचना देने के बावजुद वह कार्य नही करते, महाराष्ट्र सरकार के आँख मे भी वह झुंठी रिपोर्टींग करके धुल झोंकने का काम मा.आयुक्त महोदय कर रहे है, कोविड की सच्चाई महाराष्ट्र सरकार को बताकर अन्य सुविधाऐ मांगना तो दुर हम बहोत अच्छी स्थिती मे है यह बताने की कोशिश कर रहे है और अपनी पीठ थपथपा रहे है, महाराष्ट्र के वरिष्ठ मंत्री श्री.बाळासाहेब थोरात ने दिनांक ०३-०८-२०२० को नागपूर मे मिटींग ली तब आयुक्त महोदय ने बताया कि १२६० बेड अभी भी हमारे पास मे रिक्त है, परंतु प्रशासन के प्रेस नोट मे ९६७ पेशंट उस दिन भी वेटींग लिस्ट मे थे, वह अस्पताल मे भरती होने की राह देख रहे थे, तो ऐसी झुंठी रिपोर्टींग शासन के सामने क्यो केवल अपनी वाहवाही लुटने के, आम नागरिको की जान से खिलवाड यह बंद होना चाहिये। केवल बाळासाहेब थोरात नही महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री और वर्तमान विरोधी पक्ष नेता मा.देवेंन्द्रजी फडणवीस ने मनपा मे कोव्हीड – १९ की आढावा बैठक ली उन्होने आयुक्त से पूछा प्रतिदिन पेशंट की संख्या बढ रही है म.न.पा. के कोविड केअर सेंटर की क्षमता कितनी है। मा.तुकारामजी मुंडे ने कहा १०००० (दस हजार) मैने तुरंत प्रश्न प्रश्न किया की आपके प्रेझेन्टेशन मे यह आकडा नही दिखा उन्होने कहा अभी जोडने का है, मैने पूछा बताइये, उन्होने अति.आयुक्त श्री.राम जोशी से जानकारी देने के लिये कहा जोशी जी ने सेंटर के नाम गिनाकर हमसे कहा हर सेंटर की बेड की संख्या बताए उन्होने संख्या बताई विधायक प्रविणजी दटके ने टोटल किया तो कुल संख्या २१००-२२०० निकली जब संख्या केवल २१०० है तो संख्या १०००० (दस हजार) बताने की आवश्यकता क्यू ? झूठी और गलत जानकारी क्यू ? क्या मुंडे सचमुच मे

लबाड (झूठे) है I आवश्यकता थी की मा.मुंडे जी मा.बाळासाहेब थोरात एवं मा.देवेन्द्र जी फडणवीस इनके समक्ष सच्चाई रखते और कोविड से लडने हेतु राज्य सरकार से और संसाधन मांगते परंतु नही ? मनपा ने २६ जून को राज्य सरकार को पत्र लिखकर अपने ५०० बेड के दवाखाने एवं कोविड सेंटर हेतु ६५३ कर्मचारीयो की मॉग की और मनपा को ६ अधिकारी भी नही मिले शायद रेवेन्यू मिनिस्टर से एवं विरोधी पक्ष नेता के समक्ष यह माँग रखते परंतु नही झूठी वाह वाही मुंडे सक्षम है स्वयंपूर्ण है उसे किसी चीज की आवश्यकता नही यह झूठा अहसास क्यो और नागपुर वासियो की जान से खिलवाड आखिर कब तक इसलिये यह चर्चा आपके समक्ष उपस्थित करना आवश्यक समझता हुं, म.न.पा. प्रशासन अभी तो भी जागृत होंगा, एन.जी.ओ. आय.एम.ए के डॉक्टर्स और सामाजिक संस्था के उपलब्ध संसाधनो का उपयोग करेगा और इस बिगडी हालत को संभालने की कोशिश करेगा यह विश्वास रखते हुऐ आयुक्त को ईश्वर सदबुध्दी दे, यह अपेक्षा करते है और शहर के समस्त संस्थाओ से निवेदन भी करते है कि ॲपेडेमिक ॲक्ट १८९७ के अनुरुप निर्वाचित प्रतिनिधीयो के पास अधिकार न होने के कारण वे सूचना कर सकते है, निवेदन कर सकते है, कारवाई की अधिकार केवल और केवल आयुक्त के हाथ मे सीमित है, इसलिये आयुक्त सजग होकर झुंठी जानकारी न देकर जनता को गुमराह न करके कार्य करे और शहर की बिगडी हुई हालत को सुधारने के लिये सब का साथ ले, सभी ने उन्हे इस प्रकार से साथ देना चाहिये जिस प्रकार से लॉकडाउन के समय मे रोजमर्रा की कमाई करने वाले व्यक्तीयो तक संसाधन पहुचाने का हमने काम किया I

श्रीमती नंदा जिचकार :- मा.महापौरजी, महत्वाचे विषय असतांना महानगरपालिकेचे सभागृह इतके महत्वाचे येथे ठेवत आहे आणि मला असे वाटते की ही सभा सुरेश भट सभागृहातच घेतली पाहिजे. विषयाचे गांर्भीय लक्षात घेता आपण ही सभा घेतली पाहिजे.

महापौर:- या ठिकाणी वारंवांर आपण सकाळी ११ वाजेपासून बघतो आहे. लिंकचा कुठे ना कुठे प्राब्लेम आहे. नेटचा प्राब्लेम कुठे आपल्या बाजूने असेल, कुठे त्या बाजूने असेल. दुर्दैवाने अत्यंत महत्वाच्या विषयाचा खेळखंडोबा होत आहे ही सत्य परिस्थिती आहे. या ठिकाणी मला सत्तापक्ष नेता आणि विरोधी पक्ष नेता या दोघांनीही दोन पत्र मला दिलेली आहेत. काल अमरावती मध्ये सभा झाली. अमरावतीमधील सभेनुसार २५ टक्के उपस्थिती ही गटनेत्याच्या पत्रावरील शिफारसीनुसार २५ टक्के उपस्थिती सभागृहामध्ये बोलाविण्यात यावी आणि इतर सर्व ऑनलाईन राहतील या पध्दतीच्या भरोवश्यावरती येणा-या २८ तारखेला हे सभागृह पुन्हा बोलाविण्यात यावे.

श्री.प्रफुल्ल गुडधे:- मा.महापौरजी, यावर प्रशासनाचे मत या ठिकाणी घेण्यात यावे. या गंभीर विषयावर या ठिकाणी चर्चा होवू शकत नाही. गटनेत्यांनी जे पत्र दिलेले आहे त्या अनुषंगाने प्रशासनाचे सुध्दा मत या ठिकाणी नोंदवून घ्यावे. प्रशासनाची या संदर्भामध्ये काय भुमिका आहे हे जाणून घेणे आवश्यक आहे.

महापौर:- प्रशासनाने आपले मत या ठिकाणी दयावे.

निगम आयुक्त:-सन्माननीय महापौरजी, शासनाने ३ जुर्ले २०२० ला पत्र दिले आहे यानुसार शासनाचे निर्देश असे आहेत की कोव्हीड सुरु आहे तोपर्यंत नागरी स्थानिक स्वराज्य संस्थांनी तीन-चार सभा सर्वसाधारण/स्थायी समिती /उप समिती हया केवळ व्हिडीओ कॉन्फरंसींगद्वारे घेण्यात याव्यात असे शासनाचे स्पष्ट निर्देश आहेत. त्यामुळे आपल्या सभा घ्यायच्या आहेत त्या व्हिडीओ

कॉन्फरंसींगद्वारेच होवू शकतात. त्यामुळे २० टक्के, २५ टक्क्याचा प्रश्न येत नाही. ही जी सभा होईल ही व्हिडीओ कॉन्फरंसींगद्वारेच घ्यावी लागेल असे शासनाचे निर्देश आहेत त्याप्रमाणे जावे लागेल.

महापौर:- या ठिकाणी नेटची व्यवस्था करणे देखील आपलेच काम आहे नेटची व्यवस्था बरोबर होत नसेल आणि अमरावती सारख्या महानगरपालिकेत अशी व्यवस्था होत आहे. तर विषय लक्षात घेता तेवढे करता आले पाहिजे. ७५ टक्के ऑनलाईन असतील २५टक्के आपण बसुया.

श्री.रमेश पुणेकर :- मा.महापौरजी, २५ टक्के बसतील तर बाकीचे काय करतील. सगळया मा.सदस्यांचे प्रश्न आहेत.

श्रीमती दर्शनी धवड :- मा.महापौरजी, सगळी शिक्षण प्रणाली ऑनलाईनवर होवू शकते, क्लासेस ऑनलाईन चालु शकते तर मला वाटते व्हिडीओ कॉन्फरंसींगद्वारेच आपण सभा घ्यायला हवी.

श्री.संदीप सहारे :- मा.महापौरजी, मला काही सूचना या ठिकाणी करावयाच्या आहेत त्याकरीता मला परवानगी दयावी.

महापौर:- परवानगीचा हा विषय नाही. आपल्याला हे सभागृह चालवायचे आहे. आयुक्तांनी त्यांचे मत सांगून दिले आहे. मा.दयाशंकर तिवारी यांनी दिलेला स्थगण प्रस्ताव पुर्ण झालेला नाही. त्यांचे बोललेले ऐकु शकत नाही. मी सुध्दा दयाशंकर तिवारी यांचे २५ टक्के भाषण पुर्ण ऐकलेले नाही.

श्री.संदीप सहारे:-मा.महापौरजी, मा.दयाशंकर तिवारी जे मांडत होते ते वास्तव मांडत होते आणि ते वास्तव लपविण्याचा प्रयत्न या लिंकच्या माध्यमातून होत आहे असे मला वाटते आणि म्हणूनच माझी विनंती आहे, अमरावती महानगरपालिकेने जो फार्म्युला घेतला आहे त्याच फार्म्युल्यानुसार आपण सभा आयोजित केली तर काय बिघडले. विरोधी पक्ष नेता आणि सत्तापक्ष नेता हे बोलण्याकरिता सभागृहात राहतील आणि   आणि बाकी सगळे व्हिडीओ कॉन्फरंसींगवर राहतील. त्यामुळे समस्यांही सुटेल आणि जी भिती आहे की एकामेंकामुळे करोना होवू शकतो. असेही आम्ही जनतेमध्ये जावून आपला जीव धोक्यात घालून काम करीतच आहे. सभागृहामध्ये जर हा प्रश्न आला आणि शेवटी आम्ही जनतेचे सेवक आहोत. येणा-या परिस्थितीला आम्ही सामोर जाण्याकरिता तयार आहोत तर मग प्रशासनाला हा प्रश्न कां आहे. मी आपल्याला विनंती करतो, आपण कृपया सुरेश भट सभागृहामध्ये त्याप्रमाणे सभा आयोजित करावी ही आपणांस विनंती करतो.

श्री.कमलेश चौधरी:- मा.महापौरजी, पाईंट ऑफ आर्डर, मी याच्या आधीही म्हटलेले आहे. ज्यावेळेस आपण ५ दिवस सदन सुरेश भट सभागृहात घेतलेले आहे. त्यानंतर कोरोनाचे पेशंट वाढले. माझे म्हणणे असे आहे ऑनलाईन सगळे घेत आहे तर ही सभा घ्यायला काय हरकत आहे.

श्री.संदीप सहारे:-मा.महापौरजी, स्थिती अशी आहे. नागपूर शहराचा विचार केला तर राखीच्यानंतर २ ते ३ दिवसांपासून जो कोरोनाचा स्फोट झाला. ज्याच्यामध्ये जे नागरिक कपडे घ्यायला दुकानामध्ये गेले आणि जी गर्दी व्हायला नव्हती पाहिजे ती गर्दी झाली आणि त्यामुळेच नागपूर शहरामध्ये हा कोरोनाचा स्पोट झाला. त्यावेळी नागरिकांनी अगदी तत्परतेने आणि सावधगिरीने वागणे गरजेचे होते. सध्याच्या परिस्थितीत कोणतेही राजकारण न करता जनतेला काय वाव मिळु शकतो आणि जनतेला कशाप्रकारे आपण मदत करु शकतो ही भुमिका घेणे अत्यंत गरजेचे आहे. कारण की चर्चेतुनच शेवटी मार्ग निघतो त्यामुळे मी आपणांस विनंती करतो की हा जो लिंकचा प्राब्लेम सुरु आहे तो या ज्या कंपनीसोबत ज्यांचा टायअप आहे याच्यामध्ये काहीतरी

गडबड आहे असे मला निश्चित वाटते आणि म्हणुनच आपण सुरेश भट सभागृहामध्ये सभा घ्यावी.

श्री.प्रफुल्ल गुडधे :- मा.महापौरजी, माझी यामध्ये सुचना अशी आहे की सन्माननिय दयाशंकर तिवारी यांनी जो स्थगन प्रस्ताव मांडला आणि ज्या विषयाचा त्यांनी उहापोह केला त्या संदर्भात सर्वपक्षीय गटनेते यांची आयुक्तांसोबत एक बैठक घेऊ आणिा यामध्ये काही अडचणी असतील त्या प्रशासनाच्या माध्यमातून सोडविण्याच्या दृष्टीने एक पहल केली पाहिजे. मला असे वाटते की ते अत्यंत महत्वाचे राहील.या स्थगन प्रस्तावाच्या माध्यमातून भाषणबाजी बरीच होईल.

श्री.प्रविण दटके :- मा.महापौरजी, आपण याच्या आधी अनेक वेळा प्रशासनासोबत बैठक घेऊन सर्व गटनेते आणि सर्व जेष्ठ नेत्यांना आपण बोलाविले आहे. पण त्या बैठकीनंतर त्यामध्ये काहीही निर्णय झाले नाही. मा.महसुल मंत्र्यांची बैठक झाली, मा.विरोधी पक्ष नेत्यांची बैठक झाली, मा.पालकमंत्र्यांची बैठक झाली त्या बैठकीमध्ये अनेक जेष्ठ नगरसेवक होते, अधिकारी होते परंतु कुठलाही निर्णय होऊ शकला नाही.

श्री.प्रफुल्ल गुडधे :- मा.महापौरजी, मी सुरुवातीलाच सांगितले होते की माझी सूचना आहे. या संदर्भामध्ये हा पण एक मार्ग आपल्याकडे उपलब्ध आहे. या मार्गाचा आपण अवलंब केला ही बाब आता मला दटके साहेबांनी सांगितली, मात्र त्यामध्ये प्रयत्न करण्यास काही हरकत नाही. कोव्हीडची स्थिती या शहरामध्ये निर्माण झाली ती कोणत्या एका कारणामुळे निर्माण झाली अशी स्थिती नाही. कोव्हीडची स्थिती संपुर्ण देशभरामध्ये मोठया प्रमाणात निर्माण झाली आहे. त्याचे कारणे अनेक आहे. त्याचे संक्रमण सुध्दा वाढत आहे आणि आता डेथ रेट सुध्दा मोठया प्रमाणात वाढुन राहिला आहे. त्या संदर्भामध्ये आपली उपाययोजना करुन घेण्याच्या अधिकार मा.आयुक्तांना आहे आणि हे सभागृह म्हणुन किंवा सत्तापक्ष म्हणुन आपले जे मर्यादीत अधिकार आहे. त्या मर्यादीत अधिकाराच्या माध्यमातून आपल्याला प्रशासनाकडुन काम करुन घ्यायचे आहे. त्यामुळे माझी पुन्हा एकदा विनंती आहे की, या संदर्भात एक समन्वय सभा घेण्यात यावी. यामध्ये अधिकारी आणि जनप्रतिनिधी यांच्या ज्या काही अडचणी असतील त्या सोडविण्याच्या दृष्टीकोणातून ज्या काही सूचना असतील त्या प्रशासनाच्या माध्यमातून सोडविण्याकरीता एक डायलॉग तयार करावा ऐवढी माझी सूचना आहे. त्याउपरही असेच होत असेल तर आपण पुन्हा सभागृह घेण्यासाठी स्वतंत्र आहे.

श्री.प्रविण दटके :- मा.महापौरजी, या ठिकाणी दयाशंकर तिवारी यांनी सांगितल्याप्रमाणे जर प्रशासन लबाड बोलत असेल नाटक करीत असेल तर या प्रशासनावर आमचा विश्वास नाही.

श्री.प्रकाश भोयर :- मा.महापौरजी, खरं तर मा.आयुक्तांना हे असेच चालु दयायचे आहे. त्यांना सभागृह घेऊ दयायचे नाही.

महापौर :- ज्यांनी या ठिकाणी स्थगन प्रस्ताव ठेवलेला आहे त्या दयाशंकरजी तिवारी यांनी या ठिकाणी त्यांचे मत सांगावे. त्यानंतर विरोधी पक्ष नेते आणि त्यानंतर सत्तापक्ष नेते यांनी आपले मत सांगावे. ही सभा १० मिनीटाकरीता स्थगित करण्यात येत आहे.

हस्ता /- निगम सचिव
नागपूर महानगरपालिका,नागपूर

हस्ता /- महापौर
नागपूर महानगरपालिका,नागपूर